डीपी खुली, सो रहे जिम्मेदार

हादसे के बाद भी सवाल कायम

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 30 सितंबर. सड़क पर चलते हुए नजर सामने हो और खतरा सिर के ऊपर या कदमों के पास छिपा हो तो राहगीर आखिर कितना सावधान रह सकता है. शहर के कई व्यस्त इलाकों में बिजली के खुले बॉक्स, टूटे कवर और नीचे तक झूलते तार इसी तरह का खतरा बने हुए हैं.

एमपी नगर, माता मंदिर चौराहा, भदभदा रोड और डिपो चौराहा में बिजली उपकरणों की ऐसी स्थिति नजर आ रही है, जहां एक छोटी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है. स्थानीय लोगों का कहना है कि खुले तारों और असुरक्षित बिजली बॉक्स के कारण बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है. इस संबंध में जिम्मेदार विद्युत अधिकारियों से उनका पक्ष जानने के लिए कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई. खुले बिजली बॉक्स, क्षतिग्रस्त कवर और झूलते तारों की स्थिति को लेकर अधिकारियों से जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया.

इनका कहना है ....

दुकान के सामने ही बिजली का बॉक्स और तार हैं. रोजाना ग्राहक और राहगीर यहां से गुजरते हैं. बच्चों को लेकर खास चिंता रहती है. कई बार स्थिति खराब दिखाई देती है, इसलिए संबंधित विभाग को नियमित जांच कर समय पर मरम्मत करनी चाहिए.

– अनुराग सिंह, दुकानदार

माता मंदिर चौराहा के पास खुले बिजली बॉक्स

व्यस्त इलाके में खुले बिजली उपकरण सुबह से शाम तक यहां लोगों की आवाजाही लगी रहती है. कोई बाजार के लिए निकलता है तो कोई काम के सिलसिले में इसी रास्ते से गुजरता है. ऐसे में खुले बिजली बॉक्स और क्षतिग्रस्त कवर देखकर लोगों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है. खासकर बच्चों के साथ आने वाले परिवारों को डर रहता है कि कहीं अनजाने में कोई बच्चा बॉक्स या तार के संपर्क में न आ जाए.

नीचे तक झूलते तार, हर राहगीर के मन में सवाल

भदभदा रोड से रोजाना गुजरने वाले लोगों के लिए नीचे तक झूलते बिजली के तार सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि लगातार बना रहने वाला खतरा हैं. दोपहिया वाहन चालक, पैदल राहगीर और सड़क किनारे कारोबार करने वाले लोग इन तारों के आसपास से गुजरते हैं. यदि तार लंबे समय तक नीचे झूलते रहें तो किसी वाहन, पेड़ या अन्य वस्तु की चपेट में आने से स्थिति और गंभीर हो सकती है.

डिपो चौराहा पर दुकान के पास खुला बिजली बॉक्स

डिपो चौराहा ऐसा इलाका है जहां दिनभर लोगों और वाहनों की आवाजाही बनी रहती है. यहां बिजली उपकरणों के पास ही दुकानें होने से दुकानदारों के साथ ग्राहकों और राहगीरों की चिंता भी बढ़ जाती है. खुले बिजली बॉक्स, क्षतिग्रस्त कवर या असुरक्षित तार दुकान के आसपास आने-जाने वालों के लिए खतरा बन सकते हैं.

बोले रहवासी...

बारिश के समय खुले बिजली बॉक्स और झूलते तार ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं. सड़क से गुजरते समय हमेशा डर रहता है कि कहीं कोई तार नीचे न आ जाए. हादसा होने के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है कि पहले ही सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाए.

– सत्यम तोमर

हम रोज इसी रास्ते से आते-जाते हैं. ऊपर झूलते तार और खुले बॉक्स देखकर चिंता होती है, खासकर जब बच्चे साथ हों. बिजली विभाग को ऐसे स्थानों की पहचान कर तुरंत सुधार करना चाहिए, ताकि किसी हादसे के बाद जिम्मेदारी तय करने की नौबत ही न आए.

– विश्वजीत कुमार

बिजली के उपकरण अगर खुले या क्षतिग्रस्त हैं तो यह सिर्फ दुकानदारों की नहीं, यहां आने वाले हर व्यक्ति की सुरक्षा का मामला है. विभाग को शिकायत का इंतजार करने के बजाय खुद निरीक्षण कर खराब बॉक्स और तारों को ठीक करना चाहिए.

–राहुल पाल

साइबर ठगों ने नौ लोगों के बैंक खातों से उड़ाए 8 .50 लाख

- साइबर ठगों ने ठगी के निकाले नए-नए तरीके
- ठगी के मामले बढ़ने से लोगों में दहशत का माहौल

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 30 सितंबर. शहर में साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं. अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज शिकायतों में ठगों ने नौ लोगों से करीब 8.51 लाख रुपए की धोखाधड़ी की.

कोहेफिजा थाने में शौरभ उपाध्याय से पार्सल डिलीवरी के नाम पर 25,798 रुपए ठगे गए. इसी थाना क्षेत्र में 79 वर्षीय शाहीन परवीन से वरिष्ठ नागरिक कार्ड बनवाने का झांसा देकर पांच बार में 1.49 लाख रुपए निकाल लिए गए. कोतवाली में राजेश जैन के बैंक खाते से बिना किसी लिंक या ओटीपी साझा किए एक लाख रुपए निकलने का मामला सामने आया.

मिसरोद क्षेत्र में एस. रामचंद्रन अय्यर से बिजली बिल बकाया होने का मैसेज भेजकर लिंक के जरिए 1.63 लाख रुपए क्रेडिट कार्ड से निकाल लिए गए. इसी क्षेत्र में सौरभ शुक्ला के मोबाइल में नेटफ्लिक्स एप डाउनलोड करने के बाद बैंक खाते से 34,500 रुपए कट गए. गौतम नगर में राजकुमार से 1,17,981 रुपए की ऑनलाइन ठगी की शिकायत मिली. वहीं तेजेंद्र सिंह से टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने के नाम पर तीन बैंक खातों से 1.25 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए गए. बागसेवनिया में विजय राज को फोनपे बोनस और दोगुनी रकम का झांसा देकर लिंक के माध्यम से 40 हजार रुपए ठगे गए. अवधपुरी में अरविन किरो के क्रेडिट कार्ड से बिना अनुमति 94,925 रुपए का लेन-देन किया गया. सभी मामलों में पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर साइबर ट्रांजेक्शन की जांच शुरू कर दी है.

कर्मचारी कल्याण समीक्षा बैठक की मांग

भोपाल. मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि मुख्यमंत्री के विशेष प्रयास से कर्मचारी कल्याण से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित करने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है जिसमें कर्मचारियों के अनुकंपा प्रकरणों, पेंशन प्रकरणों ,पदोन्नति प्रकरण, सीधी भर्ती का विषय एवं कर्मचारियों के जांच प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निराकरण की दिशा में निर्णय लिया जाना है कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि कर्मचारी कल्याण से संबंधित बैठक शीघ्र आयोजित की जाए एवं उक्त बैठक में स्थाई कर्मियों दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों आउटसोर्स कर्मचारी संविदा कर्मचारी अंशकालीन कर्मचारी की मांगों को भी प्रमुखता से रखकर समीक्षा की जाए.

किस्त मांगने पहुंचे बैंक मैनेजर के साथ मारपीट

- कार लोन के करीब 10 लाख बकाया हैं

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 30 सितंबर. बैरसिया रोड स्थित केनरा बैंक के शाखा प्रबंधक के साथ लोन की बकाया किस्त मांगने पर पिता-पुत्र ने मारपीट कर दी. पुलिस ने राजू कुशवाह और उसके पिता किशोरीलाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है.

पुलिस के अनुसार, मुनौवर खान (42), निवासी राजीव नगर, कोहेफिजा, बैरसिया रोड स्थित केनरा बैंक में शाखा प्रबंधक हैं. उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि शुभम कुशवाह, निवासी खुशीपुरा चांदबड़, ने बैंक से थार कार के लिए करीब 14 लाख रुपए का ऋण लिया है. इसमें करीब 4 लाख रुपए जमा किए गए हैं, जबकि शेष राशि की किस्तें जमा नहीं की जा रही थीं. 29 सितंबर को शाम करीब 5.23 बजे वह बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक राजेंद्र चौधरी और जुबेर अख्तर के साथ शुभम कुशवाह के घर पहुंचे थे. वहां शुभम घर पर नहीं मिला. उन्होंने उसके पिता राजू और किशोरीलाल से लोन की बकाया किस्त जमा करने के संबंध में बात की. दोनों ने गाली-गलौज और मारपीट की. उनकी दाहिनी आंख के ऊपर और सीने पर चोट आई है.

सरपंचों ने एकजुट होकर किया प्रदर्शन

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 30 सितंबर. रोशनपुरा चौराहे पर बुधवार को राष्ट्रीय सरपंच संघ के बैनर तले सरपंच एकजुट हुए. प्रदर्शन करते हुए सरपंचों ने पंचायतों से जुड़े नियम और मांगे रखी.

इसी दौरान संघ ने पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर वादा खिलाफी का आरोप भी लगाया. सरपंचों ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के सामने पंचायतों को अधिक अधिकार देने, सरपंचों का मानदेय बढ़ाने और पेंशन शुरू करने सहित उनकी मांगों पर सरकार को ध्यान देना चाहिए. इसके साथ ही संघ ने 'जी रामजी' योजना के तहत मजदूरों की फेस रीडिंग आधारित हाजिरी व्यवस्था पर भी आपत्ति जताई. प्रदर्शन के दौरान कहा गया कि इस व्यवस्था से खासतौर पर महिला मजदूरों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

हत्या करने वाले तीन दोषियों को आजीवन कारावास

भोपाल. रेलवे स्टेशन परिसर में सफाई कर्मचारी राकेश गोहत की हत्या करने वाले तीन दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. अभियोजक प्रीति श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायाधीश नीलू संजीव श्रृंगीऋषि की कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया. आरोपियों ने ट्रेन की सफाई करने के बाद कचरे को उतारने की बात पर राकेश गोहत की हत्या कर दी थी. दोषी रामबाबू बाल्मीकी, लक्ष्मीनारायण और श्याम बाबू बाल्मीकी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. 2-2 हजार रू अर्थदंड से दंडित किया गया है.

एम्स में 260 हाउसकीपिंग कर्मचारियों को हटाने का विरोध

कर्मचारियों ने देर रात किया प्रदर्शन, दोबारा रखने की मांग

भोपाल, 30 सितंबर. एम्स में करीब दस साल से हाउसकीपिंग का काम कर रहे 260 कर्मचारियों को हटाए जाने के विरोध में कर्मचारियों ने बुधवार देर रात प्रदर्शन किया. बड़ी संख्या में कर्मचारी एम्स के ओपीडी कार्यालय के सामने एकत्र हुए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की.

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से एम्स में सेवाएं दे रहे थे.इनमें कुछ कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो एम्स के शुरुआती दौर से ही यहां काम कर रहे हैं. अचानक काम से हटाए जाने के कारण उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है.कर्मचारियों ने मांग की कि उन्हें दोबारा काम पर रखा जाए और वर्षों से किए जा रहे कार्य का अनुभव देखते हुए उनकी सेवाएं जारी रखी जाएं.प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उनकी जगह नए कर्मचारियों की भर्ती की जा रही है और इसके लिए करीब 1.50 लाख रुपए लिए जाने की बात कही जा रही है.

हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है.कर्मचारियों ने एम्स प्रशासन से मामले की जांच कराने और हटाए गए सभी कर्मचारियों को वापस काम पर लेने की मांग की है.

पेयजल की गुणवत्ता जांची सभी नमूने मानकों पर खरे

भोपाल, 30 सितंबर . स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत भोपाल मंडल में 28 से 30 सितंबर तक विशेष वॉटर सैनिटेशन ड्राइव चलाया गया.

डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में रेलवे स्टेशनों और परिसरों में उपलब्ध पेयजल की गुणवत्ता की जांच की गई. अभियान के दौरान कुल 144 परीक्षण किए गए. इनमें 125 क्लोरीन, 18 जीवाणु और एक रासायनिक परीक्षण शामिल रहा. जांच में क्लोरीन की मात्रा, जीवाणु तथा रासायनिक मानकों की जांच की गई. रेलवे के अनुसार सभी नमूनों के परिणाम संतोषजनक पाए गए और पेयजल निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप मिला.

मंडल द्वारा यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल स्रोतों की नियमित निगरानी की जाती है.सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने यात्रियों से पेयजल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और कचरा निर्धारित स्थान पर डालने की अपील की.

बाल संरक्षण और पॉक्सो कानून पर प्रशिक्षण

भोपाल. केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 में बुधवार को शिक्षकों के लिए बाल संरक्षण और पॉक्सो कानून पर एक दिवसीय प्रशिक्षण हुआ. आवाज संस्था ने एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में करीब 58 शिक्षकों को बच्चों से जुड़ी संवेदनशील स्थितियों से निपटने की जानकारी दी. प्रशिक्षण में बताया गया कि किसी बच्चे के साथ गलत व्यवहार या लैंगिक शोषण की जानकारी मिलने पर शिक्षक खुद जांच करने के बजाय बच्चे की सुरक्षा को प्राथमिकता दें और तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सूचना दें.

एसडीओपी ख्याति मिश्रा की लोकायुक्त जांच शुरू

शिकायतकर्ता से 12 अक्टूबर तक मांगे दस्तावेज और शपथ पत्र

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 30 सितंबर. कटनी में पदस्थ रहे तत्कालीन एसपी अभिजीत रंजन के बाद अब तत्कालीन सीएसपी ख्याति मिश्रा के खिलाफ भी लोकायुक्त पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

वर्तमान में मैहर जिले के अमरपाटन में एसडीओपी पद पर पदस्थ ख्याति मिश्रा के खिलाफ जबलपुर के अधिवक्ता आरके सोनी ने शिकायत की थी. शिकायत में पद के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार सहित कई आरोप लगाए गए हैं. लोकायुक्त कार्यालय के विधिक सलाहकार ने शिकायतकर्ता को पत्र भेजकर आरोपों के समर्थन में दस्तावेज और शपथ पत्र 12 अक्टूबर तक जमा कराने को कहा है. शिकायत में ख्याति मिश्रा के एसबीआई वेतन खाते की जांच, सरकारी आवास के बिजली व अन्य बिलों के भुगतान और अमरपाटन स्थित आवास में दो करोड़ रुपये से अधिक के विलासिता के सामान की जांच की मांग की गई है. इसके अलावा कोविड काल में वेतन खाते से राशि नहीं निकालने, घर में तीन से अधिक नौकर रखने और उनके भुगतान के स्रोत की जांच का भी उल्लेख है. कटनी में पदस्थापना के दौरान स्वीमिंग पूल में बच्चे की मौत के मामले तथा रेत और शराब कारोबारियों से कथित सांठगांठ के आरोप भी शिकायत में लगाए गए हैं. इससे पहले इसी शिकायतकर्ता की शिकायत पर पूर्व एसपी अभिजीत रंजन के खिलाफ भी लोकायुक्त जांच शुरू हो चुकी है.

आयुष्मान कार्यालय में अस्पताल संचालकों का सांकेतिक आंदोलन

मांगें नहीं मानीं तो 8 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी महाआंदोलन

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 30 सितंबर. आयुष्मान योजना से जुड़े निजी अस्पताल संचालकों ने बुधवार को अपनी लंबित मांगों को लेकर आयुष्मान कार्यालय पहुंचकर सांकेतिक आंदोलन किया.

प्रदेश के विभिन्न अस्पताल संगठनों और अस्पताल संचालक यूनियनों के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में निजी अस्पताल संचालक इसमें शामिल हुए. अस्पताल संचालकों ने कहा कि यह आंदोलन फिलहाल सांकेतिक है. शासन से अस्पतालों की व्यावहारिक समस्याओं का जल्द समाधान करने की अपेक्षा है. अस्पताल संगठनों ने आयुष्मान योजना में एनएबीएच की अनिवार्यता समाप्त करने, लंबित भुगतानों का तत्काल निपटारा करने और सीपीडी रिजेक्शन के मामलों का पुनरीक्षण कर समय-सीमा में भुगतान करने की मांग रखी.

बैठक | एजीएम में प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित,वार्षिक प्रतिवेदन पेश किया

भोपाल चेंबर का चुनाव अब 2 साल पुराने सदस्य भी लड़ सकेंगे

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 30 सितंबर. भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की वार्षिक साधारण सभा बुधवार को गुजराती समाज भवन, टीटी नगर में हुई. बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन पेश किया गया. साथ ही ऑडिट रिपोर्ट, बैलेंस शीट और पिछली एजीएम की कार्यवाही को मंजूरी दी गई.

अंकेक्षक की पुनर्नियुक्ति का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया. बैठक में चेंबर की कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया गया.

अब कार्यकारिणी सदस्य का चुनाव लड़ने के लिए कम से कम पांच वर्ष की सदस्यता जरूरी नहीं होगी. एजीएम में सदस्यता की न्यूनतम अवधि पांच वर्ष से घटाकर दो वर्ष करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया. इसके बाद चेंबर के दो वर्ष पूरे कर चुके सदस्य कार्यकारिणी का चुनाव लड़ सकेंगे. बैठक का संचालन अजय देवनानी ने किया. इस दौरान कृष्ण कुमार बांगड़, संजीव जैन, आदित्य सिंह, अनुराग जैन पवैया सहित चेंबर के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे.

मास्टर प्लान पर व्यापारियों से मांगे सुझाव

चेंबर अध्यक्ष गोविंद गोयल ने भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट का उल्लेख करते हुए व्यापारियों से अपने क्षेत्रों की समस्याओं और जरूरतों के संबंध में सुझाव देने की अपील की. उन्होंने कहा कि व्यापारियों के सुझावों को संकलित कर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और संबंधित विभागों के सामने रखा जाएगा. चेंबर ने व्यापारियों से 15 अक्टूबर 2026 तक लिखित सुझाव और आपत्तियां देने को कहा है. चेंबर का कहना है कि इससे व्यापारिक क्षेत्रों की जरूरतों और व्यावहारिक समस्याओं को मास्टर प्लान में शामिल कराने के लिए संबंधित मंच पर रखा जा सकेगा.

हाउसिंग बोर्ड टीम ने सीखे रीडेवलपमेंट के नए गुर

भोपाल, 30 सितंबर (नवभारत कनेक्ट). शहरी विकास और पुरानी बसाहटों का कायाकल्प कर उनको आधुनिक स्वरूप देने के उद्देश्य से हाउसिंग बोर्ड के इंजीनियर्स का 15 सदस्यीय दल गुजरात के अहमदाबाद स्थित सेप्ट यूनिवर्सिटी से विशेष प्रशिक्षण पूरा कर लौट आया है.

इस 5 दिवसीय विशेष लीडर्स कार्यक्रम का मुख्य फोकस 'क्रिएटिव रीडेवलपमेंट ऑफ सिटीज' (शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास) था. टीम लीड कर रहे इंजीनियर अनुज प्रताप सिंह ने बताया कि इस दौरान टीम ने सीखा कि किस तरह घनी आबादी, पुरानी कॉलोनियों और मुख्य सड़कों के दोनों तरफ मौजूद ज़मीन का योजनाबद्ध इस्तेमाल कर शहरों को सुंदर, व्यवस्थित और आर्थिक रूप से सक्षम बनाया जा सकता है.

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने इस बात पर खास ध्यान दिया कि मास्टर प्लान के तहत विकसित होने वाले मुख्य मार्गों और ट्रांजिट कॉरिडोर के दोनों तरफ कैसे सघन व व्यवस्थित विकास किया जाए. सीमित ज़मीन पर बहुमंजिला व सुव्यवस्थित निर्माण कर आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों को एक साथ कैसे बढ़ावा दिया जाए.

टीम को केवल क्लासरूम तक सीमित न रखकर फील्ड विजिट्स के जरिए सफल प्रोजेक्ट्स को केस स्टडी के तौर पर दिखाय गया. टीम ने साबरमती रिवरफ्रंट और गांधी आश्रम के मॉडल को देखा व समझा. साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के तहत नदी किनारे के इलाके का कायाकल्प और उससे जुड़े विकास मॉडल की केस स्टडी समझी. वहीं, गांधी आश्रम में ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ आधुनिक सुविधाओं का समन्वय कैसे किया जाता है, इसका अनुभव टीम ने लिया. जापान और अन्य विकसित देशों में रीडेवलपमेंट के सफल मॉडल्स की भी स्टडी कराई गयी.

क्या है सेप्ट यूनिवर्सिटी?

अहमदाबाद स्थित सेंटर फॉर एन्वायरनमेंटल प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी (सेप्ट) यूनिवर्सिटी देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है। यह संस्थान अर्बन प्लानिंग, आर्किटेक्चर, डिजाइनिंग और हैबिटेट मैनेजमेंट के क्षेत्र में देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है.